आकाशवाणी

क्षेत्रीय समाचार एकांश

देहरादून (उत्तराखण्ड)

सोमवार 14.10.2024 समय 1830

मुख्य समाचार :—

- मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने देहरादून में "विश्व मानक दिवस" के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में प्रतिभाग किया, कहा— "आत्मनिर्भर भारत" के स्वप्न को साकार करने में भारतीय मानक ब्यूरो द्वारा स्थापित मानकों की भूमिका महत्वपूर्ण है।
- केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा — 5जी रोलओवर से 2040 तक भारतीय अर्थव्यवस्था में 45 करोड़ अमेरिकी डॉलर के निवेश की उम्मीद।
- स्वास्थ्य मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने देहरादून में 'उत्तराखंड हेल्थ प्रीमियर लीग' क्रिकेट टूर्नामेंट का उद्घाटन किया।
- मुख्य सचिव राधा रतूड़ी ने संबंधित एजेंसियों को निर्धारित डम्पिंग जोन में ही मलबा निस्तारण के नियमों का कड़ाई से पालन करने के निर्देश दिये।

"विश्व मानक दिवस"

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने आज देहरादून में "विश्व मानक दिवस" के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में प्रतिभाग किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में "आत्मनिर्भर भारत" का सपना साकार हो रहा है और इसमें भारतीय मानक ब्यूरो द्वारा स्थापित मानकों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि सरकार का उद्देश्य है कि भारतीय उत्पाद अपनी गुणवत्ता, नवाचार और विश्वसनीयता के लिए पूरे विश्व में एक मिसाल स्थापित करें। इसी उद्देश्य को पूरा करने के लिए भारतीय मानक ब्यूरो द्वारा 22 हजार से अधिक मानक निर्धारित किए गए हैं। श्री धामी ने कहा कि भारतीय मानक ब्यूरो द्वारा स्थापित मानक देश के उद्योगों, व्यापार और सेवाओं के प्रमाणीकरण की दिशा में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि हाल के वर्षों में मानकों के इकोसिस्टम का व्यापक विस्तार हुआ है, जो अब कृषि, सड़क परिवहन, स्वास्थ्य और अन्य सेवाओं सहित लगभग सभी क्षेत्रों को समाहित करता है। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड प्राकृतिक संसाधनों से समृद्ध एक सुंदर प्रदेश होने के साथ—साथ औद्योगिक और कृषि विकास में भी तेजी से आगे बढ़ रहा है।

5जी दूरसंचार

केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने आज कहा कि भारत ने मात्र 22 महीनों में सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में 80 प्रतिशत आबादी को कवर करते हुए 5जी दूरसंचार सेवाएं शुरू कर दी हैं। नई दिल्ली में 5वीं वैश्विक मानक संगोष्ठी के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए श्री सिंधिया ने यह बात

कही। उन्होंने कहा कि 5जी नेटवर्क के प्रसार से 2040 तक अर्थव्यवस्था में 450 मिलियन अमेरिकी डॉलर का निवेश होने की उम्मीद है। श्री सिंधिया ने कहा कि भारत आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, ब्लॉकचेन, स्मार्ट सिटीज और ओपन सोर्स टेक्नोलॉजी के भविष्य को आकार दे रहा है। इस अवसर पर अंतर्राष्ट्रीय दूरसंचार संघ की महासचिव डोरेन बोगदान–मार्टिन ने कहा कि भारत उन कई देशों के लिए एक आदर्श है जो डिजिटल परिवर्तन की तलाश कर रहे हैं। उन्होंने भारत में 5जी दूरसंचार सेवाओं के तेजी से शुरू होने और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस में महत्वपूर्ण निवेश पर प्रसन्नता व्यक्त की।

सांसद बैठक

टिहरी सांसद माला राज्य लक्ष्मी शाह ने कहा है कि प्रदेश के विकास के लिए सभी अधिकारी और जनप्रतिनिधि आपसी समन्वय से काम करें और जनहित से जुड़ी योजनाओं को पहली प्राथमिकता दें। उन्होंने जिला समन्वय एवं निगरानी समिति– दिशा की बैठक में इस बात पर जोर दिया। श्रीमती शाह ने अधिकारियों को केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं से पात्र लाभार्थियों को लाभान्वित करने के निर्देश दिए।

बदरीनाथ मास्टर प्लान चमोली

चमोली जिले में बदरीनाथ धाम को आध्यात्मिक हिल टाउन के रूप में विकसित करने संबंधी, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ड्रीम प्रोजेक्ट के प्रथम चरण के कार्य लगभग पूरा हो चुका है। अलकनंदा का जलस्तर घटने के बाद अब दूसरे चरण के कार्य शुरू किए गए हैं। बदरीनाथ में कुल तीन चरणों में 500 करोड़ से अधिक के निर्माण कार्य प्रस्तावित हैं। जिलाधिकारी संदीप तिवारी ने बताया कि, मौसम अनुकूल होने के कारण द्वितीय चरण के कार्यों में तेजी आ गई है।

नैनीताल लघु सिंचाई

केंद्रीय जल शक्ति मंत्रालय के दल ने आज नैनीताल में केंद्र सरकार की वित्त पोषित लघु सिंचाई योजनाओं का निरीक्षण किया। दल ने "प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना, हर खेत को पानी" के तहत विकासखंड कोटाबाग और रामनगर की लघु सिंचाई योजनाओं का निरीक्षण किया। जिले में प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना के अंतर्गत 174 सिंचाई योजनाएं स्वीकृत हैं।

सेब उत्पादन उत्तरकाशी

उत्तरकाशी के हर्षिल घाटी में सेब उत्पादन बड़ी मात्रा में होता है। इस घाटी के उपला टकनौर के आठ गांवों में सेब का उत्पादन इस बार अच्छा रहा है। घाटी के सुखी गांव, झाला, जसपुर, पुराली, बगोड़ी, हर्षिल, मुखाब और धरालीमें करीब दस हजार मीट्रिक टन सेब उत्पादन होने की संभावना है। उत्पादक इन दिनों ग्रेडिंग के लिए सेबों की छंटाई करने में जुटे हुए हैं। हर्षिल घाटी में रॉयल डिलीशियस, रेड डिलिशियस और गोल्डन डिलिशियस प्रजाति के सेब की पैदावर होती है। इस प्रजाति की मांग पूरे देश में है। काश्तकार मोहन सिंह राणा का कहना है कि सेब का उत्पादन अच्छा होने से बागवानों को दाम भी अच्छा मिलने की संभावना है।

'उत्तराखंड हेल्थ प्रीमियर लीग'

स्वास्थ्य मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने देहरादून में 'उत्तराखंड हेल्थ प्रीमियर लीग' क्रिकेट टूर्नामेंट का उद्घाटन किया। महाराणा प्रताप स्पोट्र्स कॉलेज में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन और स्वास्थ्य विभाग पहली बार इस टूर्नामेंट का आयोजन कर रहा है। टूर्नामेंट में आठ विभागों की टीमें भाग ले रही हैं और यह टूर्नामेंट 20 अक्टूबर तक चलेगा। इस अवसर पर स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि 'उत्तराखंड हेल्थ प्रीमियर लीग' क्रिकेट टूर्नामेंट राज्य में स्वास्थ्य जागरूकता को बढ़ावा देने का एक अभिनव प्रयास है। उन्होंने कहा कि खेलों के माध्यम से सरकार लोगों तक स्वास्थ्य से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारी पहुंचाने का प्रयास कर रही है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन की निदेशक 'स्वाति एस भदौरिया' ने कहा कि उत्तराखंड हेल्थ प्रीमियर लीग एक ऐतिहासिक पहल है। उन्होंने कहा कि खेलों को स्वास्थ्य से जोड़कर आम जनता तक पहुंचाया जा रहा है। उधर, चंपावत जिले के लोहाघाट में राज्य स्तरीय फुटबॉल प्रतियोगिता शुरू हो गई है। आज पहला मैच पिथौरागढ़ और चंपावत जिले के बीच खेला गया। जिला फुटबाल संघ के अध्यक्ष बृजेश सिंह महरा ने बताया कि लोहाघाट इंटर कॉलेज में हो रही प्रतियोगिता में देहरादून, चमोली, पिथौरागढ़ व नेपाल समेत आठ टीमें प्रतिभाग कर रही हैं।

मक डम्पिंग जोन

मुख्य सचिव राधा रतूड़ी ने मलबा डंपिंग से संबंधित एजेंसियों को निर्धारित डम्पिंग जोन में ही मलबा निस्तारण के नियमों का कड़ाई से पालन करने के निर्देश दिये। आज देहरादून में मलबा डंपिंग जोन के सम्बन्ध में आयोजित बैठक में मुख्य सचिव ने नियमों का उल्लंघन करने वाली एजेंसियों के विरूद्ध सख्त कार्यवाही के निर्देश दिये। साथ ही उन्होंने मलबा डंपिंग जोन के संतृप्त होने की स्थिति में उसके निस्तारण के लिए पूर्व में चिन्हित डम्पिंग जोन के विस्तारीकरण की सम्भावनाओं का अध्ययन करने को कहा। श्रीमती रतूड़ी ने सभी जिलाधिकारियों को मलबा डंपिंग स्थलों के लिए भूमि चिन्हित करने तथा शासन को प्रस्ताव भेजने को कहा, ताकि मानसून के दौरान भूस्खलन या राष्ट्रीय राजमार्गों के निर्माण के दौरान उत्पन्न मलबा डंपिंग स्थलों के व्यवस्थित निस्तारण के लिए कार्य किया जा सके। उन्होंने जिलाधिकारियों को

राष्ट्रीय राजमार्गों पर डम्पिंग स्थलों के लिए प्राथमिकता के आधार पर राजस्व भूमि चिन्हित करने तथा राजस्व भूमि उपलब्ध न होने की स्थिति में वन भूमि चिन्हित करने के निर्देश दिये। उन्होंने डम्पिंग स्थलों पर हरित क्षेत्र विकसित करने तथा बांस के पौधे लगाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि ऐसे स्थलों पर तेजी से बढ़ने वाले पेड़ लगाए जाएंगे, जो भविष्य में दुर्घटना अवरोधक के रूप में उपयोगी साबित होंगे।

वनाग्नि प्रशिक्षण, बागेश्वर

वन विभाग और हंस फाउंडेशन ने बागेश्वर जिले के सात गांवों के स्वयंसेवी अग्निशमन कर्मियों को आग बुझाने के पारंपरिक और आधुनिक तरीकों का प्रशिक्षण दिया। इसके तहत जिले के 200 गांव शामिल किए गए हैं, जिसमें 1 हजार 100 अग्निशमन कर्मियों को प्रशिक्षण दिया जा रहा है। एसडीआरएफ प्रभारी राजेंद्र रावत ने बताया कि प्रशिक्षण के दौरान सभी स्वयंसेवी अग्निशमन कर्मियों को नदी पार करने की तकनीक और अन्य सुरक्षा उपाय भी बताए गए।

केदारनाथ यात्रा

रुद्रप्रयाग जिले में स्थित ग्यारहवें ज्योतिर्लिंग बाबा केदारनाथ के दर्शन के लिए रिकॉर्ड संख्या में श्रद्धालु पहुंच रहे हैं। अब तक तेरह लाख पचास हजार से अधिक श्रद्धालु केदारनाथ के दर्शन कर चुके हैं। अक्टूबर माह के पहले पखवाड़े में आठ से दस हजार श्रद्धालु रोजाना दर्शन कर रहे हैं। गौरतलब है कि इस वर्ष दस मई से शुरू हुई केदारनाथ यात्रा में पहले दिन से ही श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ रही है। 28 मई को रिकॉर्ड 38 हजार 602 श्रद्धालुओं ने धाम में दर्शन किए। पैदल मार्ग से लेकर हेलीकॉप्टर और डंडी–कंडी से श्रद्धालुओं का धाम पहुंचने का सिलसिला जारी है। वहीं जुलाई माह में बरसात के दौरान महज चौरासी हजार पांच सौ इकतालीस श्रद्धालु ही केदारनाथ पहुंच पाए थे। बरसात के बाद सितंबर माह से बाबा केदार की यात्रा ने फिर से गति पकड़ी है। पिछले डेढ़ माह में करीब ढाई लाख श्रद्धालु केदारनाथ पहुंच चुके हैं, जिससे धाम में रौनक लौट आई है और केदारघाटी के बाजारों, पड़ावों और धाम में कारोबार भी जोर पकड़ रहा है। बदरीनाथ केदारनाथ मंदिर समिति के मुख्य कार्याधिकारी विजय प्रसाद थपलियाल ने बताया कि कपाट बंद होने में अभी 21 दिन शेष हैं, ऐसे में दर्शनार्थियों की संख्या 15 लाख से अधिक पहुंचने की उम्मीद है।

इंद्रासणी देवयात्रा

रुद्रप्रयाग के जखोली ब्लॉक स्थित सिलगढ़ क्षेत्र की आराध्य मां इंद्रासणी देवी की देव यात्रा आगामी 26 नवंबर से शुरू होगी। 12 साल बाद हो रहे धार्मिक अनुष्ठान को लेकर स्थानीय लोगों ने तैयारियां शुरू कर दी हैं। आयोजन को लेकर इंद्रासणी देवी मंदिर में हुई बैठक में निर्णय लिया गया कि 26 नवंबर को

मां इंद्रासणी की मूर्ति को मंदिर के गर्भगृह से बाहर लाया जाएगा। देवी की मूर्ति को सजाकर पालकी में विराजमान किया जाएगा। पूजा–अर्चना और धार्मिक परंपराओं के बाद देव यात्रा रवाना होगी। यात्रा ग्राम जैली, महरगांव, सिरसोलिया, नागधार, पंड्रोला समेत पचास से अधिक गांवों का भ्रमण करेगी। दो माह के भ्रमण के बाद यात्रा 27 जनवरी 2025 को फिर से कंडाली गांव पहुंचकर घर–घर भ्रमण करेगी। 30 जनवरी को मां इंद्रासनी देवी मंदिर परिसर में कुंडगज से नौ दिवसीय महायज्ञ का शुभारंभ होगा। महायज्ञ में 6 फरवरी को जल यात्रा निकाली जाएगी तथा 7 फरवरी को पूर्णाहुति के साथ अनुष्ठान का समापन होगा।

उत्तराखंड के हरिद्वार से पवित्र छड़ी यात्रा तीर्थ स्थलों के लिए हुई रवाना

हरिद्वार हर की पैडी स्थित ब्रह्म कुंड में पवित्र स्नान के बाद पवित्र छड़ी यात्रा उत्तराखंड के तीर्थ स्थलों के लिए रवाना हुई। इस अवसर पर मां गंगा की विशेष पूजा–अर्चना व दुग्धाभिषेक कर राज्य की सुख समृद्धि, उन्नति की कामना की गई। इसके बाद श्री पंच दशनाम जूना अखाड़े के साथ अन्य अखाड़ों ने नगर में छड़ी यात्रा निकाली। अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष महंत रवींद्र पुरी ने कहा कि पवित्र छड़ी अखाड़ा परिषद में शामिल सभी अखाड़ों के प्रतिनिधि के रूप में पूरे उत्तराखंड का भ्रमण करती है। उन्होंने कहा कि पवित्र छड़ी यात्रा का मुख्य उद्देश्य सनातन धर्म के प्रचार के साथ–साथ उत्तराखंड के उपेक्षित पौराणिक तीर्थ स्थलों का विकास करना है, इससे क्षेत्रों में तीर्थाटन व पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा और स्थानीय युवकों के लिए रोजगार के अवसर बढ़ेंगे।

उत्तराखंड के बागेश्वर में राष्ट्रीय कार्यशाला शुरू

बागेश्वर के जिला शिक्षा और प्रशिक्षण संस्थान में अनुभावात्मक भौतिक पर छह दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का समापन हो गया है। ये कार्यशाला पद्मश्री प्रोफेसर एचसी वर्मा के मार्गदर्शन में आयोजित की गई। कार्यशाला में शिक्षकों को सरल और सहज तरीके से छात्रों को विज्ञान पढ़ाने की विधि बताई गई। कार्यशाला समन्वयक डॉ. राजीव जोशी ने बताया कि इसमें उत्तराखंड और यूपी के कई क्षेत्रों से शिक्षकों ने भाग लिया। उन्होंने कहा कि कार्यशाला में भौतिकी के विभिन्न विषयों पर चर्चा की गई। कार्यशाला के समापन अवसर पर गौचर डायट के प्राचार्य आकाश सारस्वत ने इस कार्यशाला को पूरे देश के शिक्षकों और बच्चों के लिए प्रभावी बताया। डायट के प्रायार्य मनोज पांडे ने कहा कि विद्यार्थियों के लिए विज्ञान को सरल तरीके से सीखने से पहले शिक्षक के लिए जरूरी है कि उनके पढ़ाने का तरीका रोचकता से भरा हो। कार्यशाला में भाग लेने वाली शिक्षिका डॉ. रीमा गाडिया ने बताया कि उन्होंने बच्चों को मनोरंजक तरीके से भौतिकी पढ़ाने की विधि सीखी।

उत्तराखंड के चमोली जिले में चंडिका देवरा यात्रा का शुभारंभ

चमोली जिले की प्रख्यात चंडिका देवरा यात्रा शुरू हो गयी है। आस्था, उमंग और उत्साह के बीच राजा सगर की कुलदेवी आराध्य मां चंडिका जयकारे के साथ 100 वर्षों के बाद मंदिर के गर्भ गृह से बाहर निकली। चंडिका देवी की देवरा यात्रा नौ माह तक चलेगी। देवरा यात्रा पंच केदार, पंच बद्री, पंच प्रयाग और ध्याणी मिलन क्षेत्र में पहुंचेगी।

उत्तराखंड की विधानसभा अध्यक्ष ने किया गौशाला का उद्घाटन

विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खंडूड़ी भूषण ने पौड़ी के काशीरामपुर तल्ला में महर्षि गंगा गौशाला का उद्घाटन किया। इस गौशाला में शहर भर के निराश्रित गोवंशों और घायल गायों को रखा जाएगा। गौशाला में 200 से अधिक गायों अथवा गौ वंशों को रखे जाने की क्षमता है। इस मौके पर विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि गौशाला बनने से शहर को आवारा मवेशियों से छुटकारा मिलेगा साथ ही निराश्रित गोवंशों को सुरक्षा प्रदान की जाएगी।

गौ सेवा आयोग के अध्यक्ष राजेंद्र अन्थवाल ने कहा कि प्रदेश में लगभग 100 से अधिक गौशालाएं बनाई गई हैं और पौड़ी में आठ गौशालाएं संचालित की जा रही हैं।

उत्तराखंड में तीसरे जौनसारी–बाउरी कवि सम्मेलन का आयोजन

देहरादून के विकासनगर में तीसरा जौनसारी बाउरी कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। इसमें क्षेत्र के कई कवियों और लेखकों ने शिरकत की। इस मौके पर जौनसार बावर की बोली–भाषा और परंपराओं के संरक्षण के साथ ही आज की युवा पीढ़ी को उससे जोड़े रखने पर चर्चा की गई।

जौनसारी बाउरी कवि सम्मेलन में पहुंचे रचनाकारों ने काव्यपाठ के जरिए सम–सामयिक विषयों पर अपनी बात रखी। आयोजन में कई महिलाएं पारंपरिक परिधानों में पहुंचीं, जिनका ढोल–दमौं से स्वागत किया गया। महिलाओं का कहना था कि आज की युवा पीढ़ी भी अपनी बोली–भाषा और लोक परंपराओं के प्रति जागरूक हो रही है।

उत्तराखंड के बागेश्वर जिले में दो अलग–अलग दुर्घटनाओं में दो महिलाओं की मृत्यु

बागेश्वर जिले में शनिवार को दो अलग–अलग घटनाओं में दो महिलाओं की मृत्यु हो गई। कपकोट क्षेत्र के गोगिना गांव में एक महिला की पहाड़ी से गिरकर मृत्यु हो गई। ग्रामीणों से मिली जानकारी के अनुसार गोगिना निवासी कविता देवी जंगल जाने के दौरान असंतुलित होकर गहरी खाई में गिर गई, जिससे

उसकी मृत्यु हो गयी। वहीं, बिलौना पुल से एक महिला ने नदी में कूद कर जान दी। सूचना प्राप्त होते ही फायर टीम ने सरयू नदी से महिला शव बरामद कर लिया है।

उत्तराखंड के टिहरी जिले में राज्य स्तरीय वॉलीबाल प्रतियोगिता शुरू

टिहरी जिले के बौराड़ी स्टेडियम में विद्यालय शिक्षा विभाग की 22वीं राज्यस्तरीय वॉलीबाल प्रतियोगिता शुरू हो गयी है। विभिन्न वर्गों में आयोजित इस प्रतियोगिता में पहले दिन अंडर–14 और अंडर–19 में उधमसिंह नगर और अंडर–17 में चमोली जिले की टीम ने जीत दर्ज की। प्रतियोगिता में सभी जिलों की टीमों के अलावा महाराणा प्रताप स्पोर्ट्स कॉलेज देहरादून की टीम भी शिरकत कर रही है। 15 अक्तूबर को प्रतियोगिता का समापन होगा। जिले के मुख्य शिक्षाधिकारी ने बताया कि जिले में यह राज्यस्तरीय प्रतियोगिता पहली बार आयोजित की जा रही है। प्रतापनगर विधायक विक्रम सिंह नेगी ने कहा कि सरकार को खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने के साथ ही उन्हें सभी सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए प्रयास करने होंगे।